



Nitya narain



Avishek kumar

Model: Love-Horoscope

Order No: 121799201

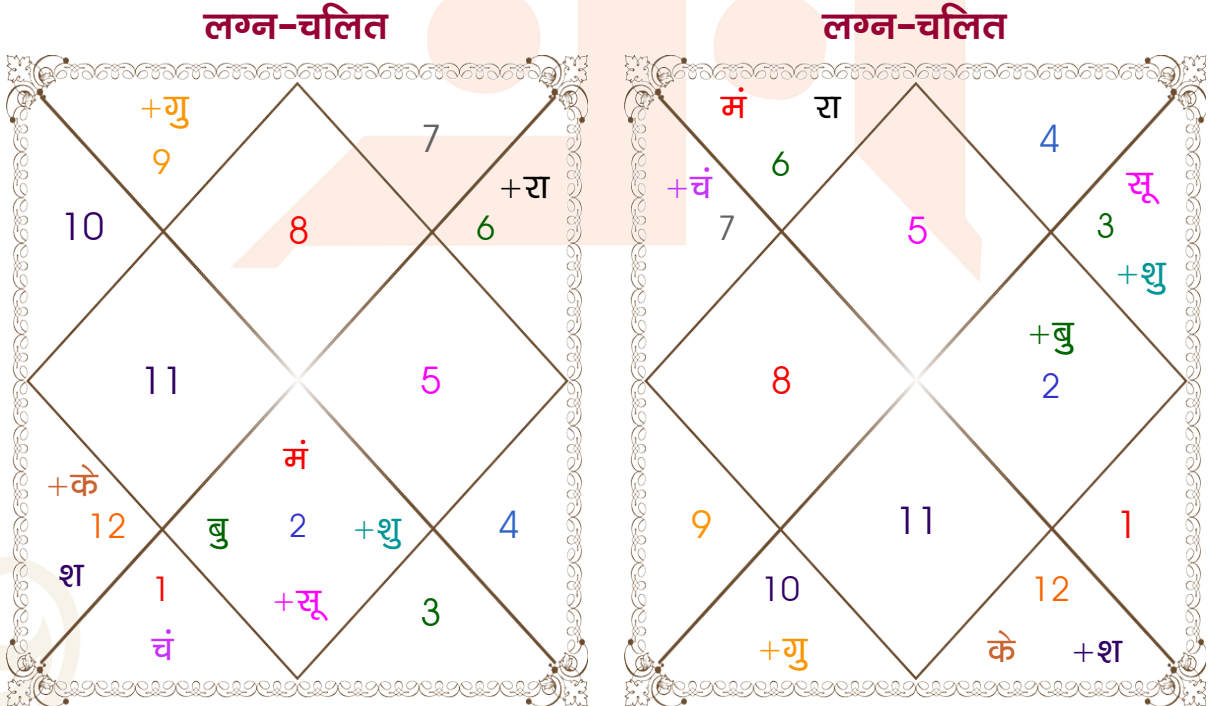
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
12/06/1996 :	जन्म तिथि	: 18/06/1997
बुधवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 16:40:00 :	जन्म समय	: 09:45:00 घंटे
घटी 29:04:49 :	जन्म समय(घटी)	: 11:45:36 घटी
India :	देश	: India
Ranchi :	स्थान	: Ranchi
23:22:00 उत्तर :	अक्षांश	: 23:22:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व :	रेखांश	: 85:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20 :	स्थानिक संस्कार	: 00:11:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:02:04 :	सूर्योदय	: 05:02:45
18:35:04 :	सूर्यास्त	: 18:36:46
23:48:30 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:16
वृश्चिक :	लग्न	: सिंह
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: सूर्य
मेष :	राशि	: तुला
मंगल :	राशि-स्वामी	: शुक्र
भरणी :	नक्षत्र	: विशाखा
शुक्र :	नक्षत्र स्वामी	: गुरु
2 :	चरण	: 3
अतिगण्ड :	योग	: सिद्ध
तैतिल :	करण	: कौलव
लू-लूनेश :	जन्म नामाक्षर	: ते-तेजिका
मिथुन :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन
क्षत्रिय :	वर्ण	: शूद्र
चतुष्पाद :	वश्य	: मानव
गज :	योनि	: व्याघ्र
मनुष्य :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: अन्त्य
मृग :	वर्ग	: सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 14वर्ष 9मा 8दि	03:31:48	वृश्चि	लग्न	सिंह	04:48:27	गुरु 4वर्ष 1मा 20दि
चन्द्र	27:56:41	वृष	सूर्य	मिथु	03:09:17	बुध
22/03/2017	16:49:05	मेष	चंद्र	तुला	29:52:59	08/08/2020
22/03/2027	06:05:10	वृष	मंगल	कन्या	05:40:16	08/08/2037
चन्द्र 20/01/2018	04:35:41	वृष	बुध	वृष	23:56:35	बुध 05/01/2023
मंगल 21/08/2018	21:37:05	धनु व	गुरु व	मक	28:00:48	केतु 02/01/2024
राहु 20/02/2020	25:07:20	वृष व	शुक्र	मिथु	23:16:35	शुक्र 02/11/2026
गुरु 21/06/2021	12:29:44	मीन	शनि	मीन	24:54:07	सूर्य 08/09/2027
शनि 20/01/2023	21:13:30	कन्या व	राहु व	कन्या	00:18:29	चन्द्र 07/02/2029
बुध 21/06/2024	21:13:30	मीन व	केतु व	मीन	00:18:29	मंगल 04/02/2030
केतु 20/01/2025	10:18:16	मक व	हर्ष व	मक	14:20:57	राहु 23/08/2032
शुक्र 20/09/2026	03:27:30	मक व	नेप व	मक	05:34:58	गुरु 29/11/2034
सूर्य 22/03/2027	07:22:23	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	09:46:50	शनि 08/08/2037

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

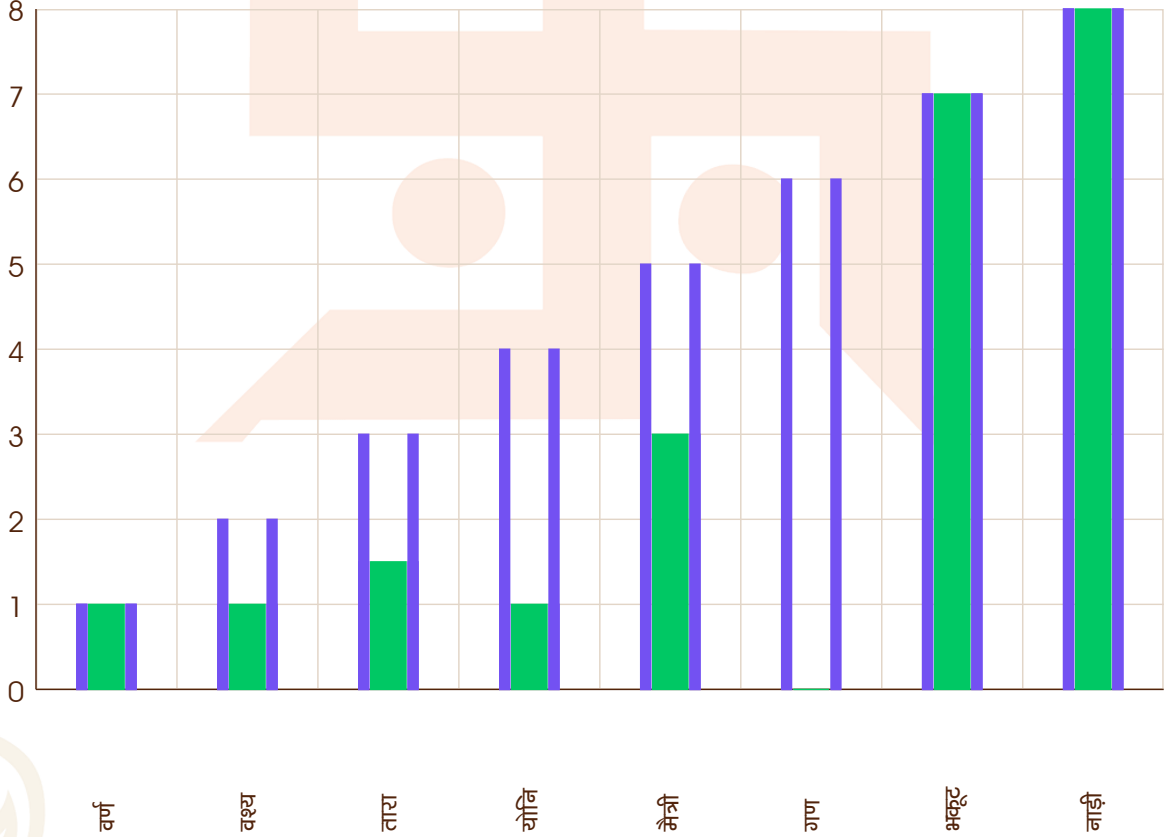
23:48:30 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:16



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : 22.5 / 36



अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Nitya narain का वर्ग मृग है तथा ।अपीमा ।नउंत का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nitya narain और ।अपीमा ।नउंत का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Nitya narain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Nitya narain कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।अपीमा ।नउंत मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Nitya narain तथा ।अपीमा ।नउंत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Nitya narain का वर्ण क्षत्रिय तथा ।अपीमा इनंत का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव से ।अपीमा इनंत वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवा Nitya narain से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

वश्य

Nitya narain का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं ।अपीमा इनंत का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Nitya narain एवं ।अपीमा इनंत एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी ।अपीमा इनंत क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Nitya narain की तारा प्रत्यरि तथा ।अपीमा इनंत की तारा साधक है। Nitya narain की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Nitya narain कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप ।अपीमा इनंत को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Nitya narain की योनि गज है तथा ।अपीमा इनंत की योनि व्याघ्र है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं क्लेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है।

कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व क्लेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Nitya narain एवं ।अपीमा इनतं दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Nitya narain का गण मनुष्य तथा ।अपीमा इनतं का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः ।अपीमा इनतं का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Nitya narain एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Nitya narain एवं ।अपीमा इनतं की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Nitya narain व ।अपीमा इनतं को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Nitya narain की नाड़ी मध्य है तथा ।अपीमा इनतं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Nitya narain एवं ।अपीमा इनतं के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Nitya narain की जन्मराशि मेष तथा ।अपीमा इनत की जन्म राशि तुला है। इनमें मेष राशि अग्नि तत्व एवं तुला राशि वायु तत्व से युक्त है चूकि इन दोनों की आपस में मित्रता है अतः इसके प्रभाव से Nitya narain और ।अपीमा इनत का जीवन कुछ अप्रिय क्षणों को छोड़कर समान्यतया सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

Nitya narain और ।अपीमा इनत के राशि स्वामी मंगल तथा शुक एक दूसरे के सम हैं। अतः इनके परस्पर सम्बन्धों में समता ही रहेगी तथापि यदाकदा ।अपीमा इनत की प्रेमाभिलाषा की Nitya narain द्वारा उपेक्षा किए जाने पर अप्रिय स्थिति उत्पन्न होगी लेकिन इनका परस्पर स्वाभिमान का टकराव नहीं होगा। अतः ऐसी स्थिति शीघ्र समाप्त हो जाएगी तथा दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ होंगे।

Nitya narain और ।अपीमा इनत की राशियां परस्पर सप्तम-सप्तम पड़ती हैं। अतः यह युति भ्रूट दोष से मुक्त है। इसके प्रभाव से ।अपीमा इनत सुन्दरता एवं कोमलता की प्रतीक होंगी। उनकी प्रवृति आवेग युक्त भी रहेगी जिससे ।अपीमा इनत यदाकदा मानसिक अशान्ति एवं कष्ट की अनुभूति करेंगी। अतः ।अपीमा इनत को जाहिए कि अपनी इन प्रवृत्तियों का त्याग करके Nitya narain की भावनाओं का सम्मान करें तभी जीवन में शान्ति का आभास हो सकेगा।

Nitya narain का वश्य चतुष्पद तथा ।अपीमा इनत का वश्य मानव है। मानव एवं चतुष्पद की नैसर्गिक रूप से शत्रुता मानी जाती है। अतः दोनों की अभिरुचियों तथा भावनाओं में भिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे यदि ।अपीमा इनत Nitya narain की श्रेष्ठता समझने की प्रवृति को समझ कर उनके साथ यथोचित व्यवहार करने तथा उनको इस क्षेत्र में उचित सहयोग दें तो इच्छित प्रसन्नता एवं समृद्धि प्राप्त हो सकती है।

धन

Nitya narain और ।अपीमा इनत दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भ्रूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Nitya narain मध्य नाड़ी तथा ।अपीमा इनतं अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु ।अपीमा इनतं के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। ।अपीमा इनतं सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए ।अपीमा इनतं को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से Nitya narain और ।अपीमा इनतं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Nitya narain और ।अपीमा इनतं को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Nitya narain और ।अपीमा इनतं के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

।अपीमा इनतं का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः ।अपीमा इनतं के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार ।अपीमा इनतं सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Nitya narain और ।अपीमा इनतं को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Nitya narain और ।अपीमा इनतं का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

।अपीमा इनतं के सास के साथ संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी। अपीमा इनत को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः अपीमा इनत को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ अपीमा इनत के संबंध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबंधों से अपीमा इनत सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

Nitya narain तथा उनकी सास के संबंधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Nitya narain के संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Nitya narain के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Nitya narain के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।

लग्न फल

Nitya narain

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृश्चिक लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्र प्रभावानुसार यह सुनिश्चित संभावना है कि आप वैदेशिक यात्रा पर जाएंगे और वहीं अपना निवास बनाकर सुनिश्चित हो जाएंगे।

आप धनी, समृद्ध एवं तीव्र बुद्धि के स्वस्थ प्राणी होंगे। स्वाभाविक रूप से आप भ्रमण प्रिय होंगे तथा आप नये-नये स्थानों का परिदर्शन अर्थात् परिभ्रमण करने में समर्थ होंगे। आप में अनेकोनेक गुण विद्यमान हैं जो आपके यथेष्ट धनोपार्जन में सहायक होगा। आप व्यक्तिगत रूप से अत्यंत ही दृढ़ निश्चयी हैं। आप अपने उद्देश्य से लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम करेंगे। आप अपने खेल के पक्ष को उसके लिए बंद कर देते हैं, जिनके संबंध में आपका हृदय स्वीकार नहीं करता। यदि अन्य व्यक्ति आपको सुनिश्चित कार्य-व्यवसाय हेतु प्रेरित करता है तो आप निश्चित समय पर निश्चित रीति से कार्य संपादन कर लेते हैं। आपकी भावनाओं अर्थात् बातों को समझ कर ठीक तरीके से कार्यान्वयन कर लेना किसी के लिए भी यह दुरुह कार्य है। आप निःसंदेह अत्यंत मधुर भाव से अपनी भावना के प्रतिकूल आचरण करने लगते हैं; लेकिन सभी लोग यह जानते हैं कि आप जो मुंह से उच्चारण करते हैं, वह सत्य नहीं है। स्पष्टतः आपकी उपस्थिति आपसे संबंधित बातों के लिए भ्रामक प्रमाणित होता है। आपकी आलस्यपूर्ण रवैया के प्रति आप ध्यान नहीं देते। यह उद्देश्य आपसे संबंधित कार्य संपादन हेतु अनैतिक कार्य है। आप किसी भी अवसर पर कोई भी अपेक्षित कार्यकाल अपनी अति प्रतिशोधात्मक मुद्रा अपना लेते हैं। इसलिए आप से संबंधित आपका कार्य बिना किसी भी बाधा के धीरे-धीरे संपादित हो जाता है।

आपकी ऐसी प्रवृत्ति है कि आप स्वयं अपनी आस्था के अनुसार किसी भी विषय की गंभीरता पूर्वक जांच पड़ताल कर लेते हैं, क्योंकि आप परिपक्व बुद्धि के प्राणी हैं। आप अपने हित के लिए किसी भी यथार्थ कार्य हेतु संबंधित कठिन निर्णय लेकर अपने कार्य को सुगमतापूर्वक कार्य रूप देते हैं। आप स्वतंत्र निष्पक्ष एवं निर्भीक प्राणी हैं। आप अपने कार्य उद्देश्य को लक्ष्य तक पहुंचाने में अपनी नीति के साथ किसी भी प्रकार की बुराई के प्रति सतर्कता पूर्ण रवैया अपनाकर चाहे जो कुछ भी व्यवधान हो। उसे स्पष्ट कर लेते हैं। आप स्वाभाविक रूप से आर्थिक सहयोग प्रदान कर प्रचूर मात्रा में आपको धनवान बनने का सौभाग्य प्रदान करता है।

आप धन संचय द्वारा समय-समय पर अपनी प्रवृत्ति को मोड़कर उदरतापूर्वक अपने संबंधी एवं मित्रों को बहुतायत में अर्थात् पर्याप्त मात्रा में आर्थिक अनुदान देते हैं जो आपको उनके मध्य प्रसिद्ध बनाता है। आप अपनी विश्वसनीयता एवं सुयोग्य पत्नी के साथ अपना प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन को शान्तिपूर्वक बिताएंगे। आपके लिए आदर्श जीवन संगिनी हेतु उपयुक्त एवं दर्शनीय व्यक्ति वह है जिसका जन्म राशि वृश्चिक, कर्क, मीन, कन्या, मकर अथवा

वृष राशि हो। आप अति उत्तम संतान के साथ सौभाग्यशाली जीवन यापन करेंगे।

आपका व्यक्तित्व बहुत उत्तम है। आप औसतन लंबाई से युक्त पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। यदि आप किसी भी प्रकार का जोखिमपूर्ण कार्य किया तो कुछ वर्षों के पश्चात् आप प्रजनन दौर्बल्यता, इंद्रिय रोग एवं अनिद्रा रोग से युक्त एवं आक्रांत हो जाएंगे। अतः आप इस प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्कता पूर्वक कदम उठाएं। यह प्रक्रिया आपके स्वास्थ्य रक्षा हेतु उत्तम एवं सहायक होगा।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

आप अंको में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक को अपने हित में सम्मिलित कर सकते हैं, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

रंगों में रंग नीला, सफेद एवं हरा रंग अनुपयुक्त है जबकि रंग लाल, नारंगी, पीला एवं क्रीम रंग आपके हित अनुकूल है।

Avishek kumar

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेषकाण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगी। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृत्ति की महिला है। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती है। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगी। आप चाहती है कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपनी मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगी। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यों में अत्यन्त धन प्रदान करेंगी। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगी कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ

चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृत्ति में बदलाव नहीं ला सकी तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने की अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात आपने पारिवारिक सदस्यों पर कोध प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करती रही तो आपका प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकती हैं। यथा आपके पति तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकती हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करती रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृत्ति आपके पति को सशंकित करती है। आपको अपने जीवन संगी की आशंकाओं का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली है। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने जीवन साथी के प्रति विश्वघात करेंगी।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृत्ति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहती हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त है।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपकी शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है।

आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त है। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंक ज्योतिष फल

Nitya narain

आपका जन्म दिनांक 12 है। एक एवं दो के जोड़ से तीन आपका मूलांक हुआ। एक का स्वामी सूर्य दो का चन्द्र तथा तीन का गुरु है। मुख्य प्रभाव मूलांक तीन के स्वामी गुरु का आपके जीवन पर पड़ेगा। थोड़ा-बहुत प्रभाव सूर्य एवं चन्द्र का रहेगा। इन सभी ग्रहों के सम्मिलित प्रभाववश आप एक बुद्धिशील, विद्वान व्यक्ति होंगे। सूर्य प्रभाव से दृढ़शीलता, प्रखरता आयेगी। चन्द्र प्रभाव मानसिक कल्पना शीलता में वृद्धि करेगा एवं गुरु प्रभाव से आध्यात्मिकता, विद्या, लेखन-पठन के गुण आपके अन्दर आयेंगे।

आप अपने जीवन में एक सन्तुलित व्यक्ति रहेंगे एवं ऐसे ही कार्यों को करना पसन्द करेंगे, जिनमें मेहनत, ईमानदारी से लाभ हो। आपके इस गुण का विरोधी फायदा उठायेंगे और ईर्ष्याविश आपको प्रताड़ित करने की कोशिश करेंगे। लेकिन आप अपने दृढ़शीलता के व्यवहार से परास्त करने में सक्षम रहेंगे।

आपको ऐसे कार्यों में लाभ रहेगा, जहाँ बुद्धि का प्रयोग अधिक होता है। ज्ञान-विज्ञान इत्यादि के क्षेत्रों में भी आपकी रुचि रहेगी एवं भाषण, लेखन, वक्तव्य कला आदि में निपुण रहेंगे। बचपन एवं जवानी की अपेक्षा वृद्धावस्था में आपके ज्ञान का लाभ दूसरों को प्राप्त होगा।

Avishek kumar

आपका जन्म दिनांक 18 है। एक एवं आठ के योग से आपका मूलांक 9 बनता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। एक का सूर्य तथा आठ का शनि। इन तीनों ही ग्रहों का प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके जीवन में आयेगा। मूलांक नौ के प्रभाव से आप एक साहसी महिला होंगी तथा साहस भरे कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। जब कभी आप दुःसाहसी होंगी, तब आपकी हानि उठानी पड़ेगी। आप अनुशासन पसन्द करेंगी। कार्यक्षेत्र में अपना एकाधिकार या प्रभुत्व चाहेंगी तथा ऐसे कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी जहाँ आप स्वतंत्र रूप से मुखिया की भूमिका निभायेंगी। आपके स्वभाव में फुर्तीलापन एवं जल्दबाजी होगी। आप चाहेंगी कि हर कार्य शीघ्र एवं फुर्ती से हो। इसमें व्यवधान आने पर आपका क्रोध बढ़ेगा क्योंकि रुकावटों को आप बर्दाश्त नहीं कर पायेंगी।

एक अंक का स्वामी सूर्य एवं आठ अंक का स्वामी शनि होने से हर सफलता के मध्य अवरोध, रुकावटें आयेंगी। जिनसे आपकी तेज बढ़ती उन्नति में ब्रेक लगेगा तथा आपकी महत्वाकांक्षा देर से पूरी होगी। इससे कई योजनाएं शुरु होने के बाद रुक जायेंगी या धीमी गति को प्राप्त करेंगी। जिसमें आपका तन-मन-धन तीनों ही व्यय होंगे। आपको खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से हानि मिलेगी। अतः ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहें जो आपकी अत्यधिक चापलूसी करें।

मंगल का मूलांक होने से आपको अपने जीवन में काफी संघर्ष करना पड़ेगा एवं जो भी सफलता मिलेगी वह कड़ी मेहनत, भाग-दौड़ के बाद ही प्राप्त होगी। मंगल, सूर्य, शनि के संयुक्त प्रभाववश आपका जीवन विध्वन-बाधाओं, कठिनाईयों, आलोचनाओं को पार कर स्वयं की मेहनत एवं लगन द्वारा उच्चता के शिखर पर पहुँचेगा।

Nitya narain

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Avishek kumar

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगी जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगी एवं रोजमर्रा के कार्यों को फूर्ती से पूर्ण करेंगी। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगी।

आपकी व्यावसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगी एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगी। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगी तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।